संवहनीयता के प्रति हमारा दृष्टिकोण

> संवहनीयता के प्रति हमारा समर्पण हमारे मिशन का अभिन्न अंग है, जिम्मेदार वित्त और नवाचार के माध्यम से जीवन में बदलाव लाना और समुदायों का उत्थान करना

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में, हम लोगों के जीवन में परिवर्तन लाने और जिन समुदायों की हम सेवा करते हैं उनके उत्थान के लिए प्रतिबद्ध हैं. संवहनीयता के प्रति हमारा समर्पण हमारे मिशन का अभिन्न अंग है, और हमें गर्व है कि हमें अपने हितधारकों के साथ मिलकर परिवर्तनकारी प्रभाव के रूप में उपलब्धियां प्राप्त हो रही हैं. हमारा ध्यान शेयरधारकों, ग्राहकों, कर्मचारियों, समुदायों और नियामकों के लिए दीर्घकालिक संवहनीय मूल्य उत्पन्न करने पर है, जो हमारे विजन के साथ संरेखित है और हमारे मूल मूल्यों और कार्यनीतिक कार्यों द्वारा निर्देशित है.

> यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की हितधारक संबंध समिति मजबूत ईएसजी निरीक्षण सुनिश्चित करती है, जिससे सभी के लिए नैतिक अभिशासन और दीर्घकालिक संवहनीय मूल्य को बढ़ावा मिलता है.

हमारा मूल्य कथन

जीआरआई
102-2

भारत को एक मजबूत अर्थव्यवस्था बनाने के लिए मजबूत बैंकिंग संस्थानों की आवश्यकता है. यूनियन बैंक ऑफ इंडिया इस परिवर्तन की अगुवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है, अपनी मजबूती का लाभ लेकर कार्यनीतिक रूप से अच्छा कर रहे हैं. बेहतर वित्त के सकारात्मक सामाजिक प्रभाव को समझते हुए, हमारी कॉर्पोरेट संवहनीयता और ईएसजी दृष्टिकोण अच्छा करते हुए बेहतर करने पर केंद्रित है. साथ मिलकर हमारा लक्ष्य अपने सभी हितधारकों को मूल्य प्रदान करना है.

हम व्यक्तियों और कारोबारों का समर्थन करने के लिए वित्त का जिम्मेदारीपूर्वक अभिनियोजन करते हैं, सहानुभूति और ईमानदारी के साथ काम करते हैं और सामाजिक कल्याण और दीर्घकालिक लाभों के लिए नवाचार और संवहनीयता का समर्थन करते हैं.

- **हमारे ग्राहकों और क्लाइंट के साथ-साथ:** हम अपने उत्पादों, सेवाओं और विशेषज्ञता के माध्यम से अपने ग्राहकों को उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने में सहायता प्रदान करते हैं.
- **हमारे कर्मचारियों के लिए साथ-साथ:** हम अपने कर्मचारियों के स्वास्थ्य और कल्याण का समर्थन करते हैं, कैरियर में वृद्धि को सुलभ बनाते हैं, और उन्हें उत्कृष्ट सेवा प्रदान करने के लिए सशक्त बनाते हैं.
- **समाज और पर्यावरण के लिए साथ-साथ:** हमारी दीर्घकालिक सफलता हमारे समुदायों की प्रगति और हमारे पर्यावरण के संरक्षण से जुड़ी हुई है.
- **हमारे निवेशकों के लिए साथ-साथ:** हम एक मजबूत और विविधतापूर्ण कारोबार बना रहे हैं जो संवहनीय प्रतिफल प्रदान करता है.

अन्वेक्षण

जीआरआई
102-18

ईएसजी अन्वेक्षा और अभिशासन

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की संवहनीय और विश्वसनीय अभिशासन के प्रति प्रतिबद्धता की देखरेख हितधारक संबंध समिति (एसआरसी) द्वारा की जाती है. यह समिति यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण है कि हमारे पर्यावरण, सामाजिक और अभिशासन (ईएसजी) उद्देश्यों को पूरा किया जाए और हमारे समग्र कार्यनीतिक लक्ष्यों के साथ संरेखित किया जाए. अधिक जानकारी के लिए *पेज 32* पर कार्यनीतिक ढांचे पर हमारा अध्याय और *पेज 40* पर पिलर अध्याय पढ़ें.

जीआरआई
102-19

एसआरसी में कार्यकारी और गैर-कार्यकारी निदेशक दोनों शामिल हैं जो संतुलित दृष्टिकोण और मजबूत अन्वेक्षण प्रदान करते हैं. वित्तीय वर्ष 2024 में, समिति की अध्यक्षता सुश्री प्रीति जय राव ने की, जो एक शेयरधारक निदेशक हैं और कॉर्पोरेट सामाजिक ज़िम्मेदारी और अभिशासन उत्कृष्टता के प्रति समर्पण के लिए जानी जाती हैं. एसआरसी ने वित्तीय वर्ष के दौरान चार बार बैठक की, जो हमारी संवहनीय पहलों की नियमित और गहन अन्वेक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है.

जीआरआई

102-20

एसआरसी का विस्तारित दायरा

कॉर्पोरेट जिम्मेदारी के उभरते परिदृश्य और व्यापक ईएसजी कार्यप्रणालियों के बढ़ते महत्व को समझते हुए, एसआरसी के आदेश को वित्तीय वर्ष 2024 में काफी व्यापक बनाया गया. मूल रूप से हितधारक संबंधों पर केंद्रित, समिति की ज़िम्मेदारियों में अब बैंक के संवहनीय विकास और नैतिक संचालन के लिए महत्वपूर्ण विभिन्न कार्य शामिल हैं.

> "यूनियन रूफ टॉप सोलर योजना और ग्रीन माइलस योजना जैसी पहलों के साथ, हम अपने पर्यावरणीय फुटप्रिंट्स को कम करने और संवहनीय समुदायों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

प्रमुख जिम्मेदारियाँ और पहल:

ग्राहक सेवा में वृद्धि: एसआरसी ने ग्राहक सेवा को बढ़ाने के लिए कई पहल की हैं, जिसमें उन्नत ग्राहक प्रतिक्रिया प्रणाली और ग्राहक सेवा प्रतिनिधियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यान्वित करना शामिल है. इन पहलों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के साथ हर बातचीत सकारात्मक हो और ग्राहकों की अपेक्षाओं से बढ़कर हो.

सीएसआर परियोजनाएँ: इस समिति द्वारा सामुदायिक उत्थान के उद्देश्य से कई सीएसआर परियोजनाओं की देखरेख की जाती है, जिसमें शिक्षा कार्यक्रम, स्वास्थ्य सेवा पहल और ग्रामीण विकास परियोजनाएँ शामिल हैं. यह सुनिश्चित करके कि ये परियोजनाएँ अच्छी तरह से प्रबंधित और प्रभावशाली हैं, एसआरसी यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को सामाजिक प्रगति में सार्थक योगदान करने में सहायता प्रदान करता है.

पर्यावरण प्रबंधन: एसआरसी बैंक की पर्यावरण पहल जैसे कार्बन उत्सर्जन को कम करना, ऊर्जा दक्षता को बढ़ाना और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए उत्तरदायी है. समिति यह सुनिश्चित करती है कि ये पहल पर्यावरण की दृष्टि से लाभकारी और आर्थिक रूप से व्यवहार्य दोनों हों, जो बैंक के दीर्घकालिक संवहनीय लक्ष्यों का समर्थन करती हैं.

सामाजिक उत्तरदायित्व: पारंपरिक सीएसआर के अलावा, एसआरसी बैंक के व्यापक सामाजिक प्रभाव की निगरानी करता है, जिसमें वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने, अल्पसंख्यक समुदायों का समर्थन करने और महिला उद्यमियों को सशक्त बनाने के इसके प्रयास शामिल हैं. ये प्रयास अधिक समावेशी और समतापूर्ण समाज के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण हैं.

अभिशासन कार्यप्रणालियाँ: बैंक की अभिशासन कार्यप्रणालियाँ मजबूत, पारदर्शी और वैश्विक मानकों के अनुरूप होना एसआरसी द्वारा सुनिश्चित किया जाता है. इसमें नैतिक कारोबारिक कार्यप्रणालियों की देखरेख, कानूनी और नियामक आवश्यकताओं के अनुपालन को सुनिश्चित करना और ईमानदारी और जवाबदेही को बढ़ावा देना शामिल है.

जीआरआई

102-10

वित्तीय वर्ष 2024 में उपलब्धियाँ

वित्तीय वर्ष 2024 के दौरान, एसआरसी ने बैंक की संवहनीयता और अभिशासन ढांचे को बढ़ाने में महत्वपूर्ण प्रगति की है. प्रमुख उपलब्धियों में शामिल हैं:

- **हरित वित्त पहल का कार्यान्वयन:** कई हरित वित्त उत्पादों को सफलतापूर्वक शुरू किया, नवीनीकरण ऊर्जा परियोजनाओं का समर्थन किया और संवहनीय कारोबारिक कार्यप्रणालियों को बढ़ावा दिया. अधिक जानकारी के लिए *पृष्ठ126* पर प्राकृतिक पूंजी पर हमारा अध्याय पढ़ें.
- **बेहतर सीएसआर सहभागिता:** सीएसआर कार्यक्रमों के विस्तार और प्रभाव में वृद्धि हुई, जिससे पूरे भारत में हजारों व्यक्तियों और समुदायों को लाभ हुआ. अधिक जानकारी के लिए *पृष्ठ 148* पर हमारे संबंध और सामाजिक पूंजी अध्याय को पढ़ें.

- **ग्राहक सेवा में सुधार:** नई ग्राहक सेवा पहलों के शुभारंभ के परिणामस्वरूप ग्राहक संतुष्टि स्कोर में वृद्धि हुई और प्रतिक्रिया समय कम हुआ. अधिक जानकारी के लिए *पृष्ठ 148* पर हमारे संबंध और सामाजिक पूंजी अध्याय को पढ़ें.
- **अभिशासन में सुधार :** अधिक पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने हेतु नई नीतियों और प्रक्रियाओं को अपनाकर अभिशासन कार्यप्रणालियों को मजबूत किया गया है. अधिक जानकारी के लिए *पृष्ठ 255* पर हमारी कॉर्पोरेट अभिशासन रिपोर्ट पढ़ें.

हितधारक संबंध समिति के परिश्रम के माध्यम से, यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया संवहनीयता, नैतिक अभिशासन और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को बनाए रखता है, जो हमारे सभी हितधारकों के लिए सकारात्मक बदलाव लाता है.

हमारी संवहनीयता पहलों पर एक त्वरित नज़र

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की हरित वित्त पहल प्राकृतिक पूंजी संरक्षण और बहाली का समर्थन करने में महत्वपूर्ण हैं. हमारा उद्देश्य नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं और संवहनीय कार्यप्रणालियों को वित्त प्रदान कर अपने पर्यावरणीय पदचिह्न को कम करना और लचीले, संवहनीय समुदायों को बढ़ावा देना है. प्रमुख पहलों में यूनियन रूफ टॉप सोलर स्कीम शामिल है, जो घरों के लिए रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन के लिए वित्त प्रदान करती है, और यूनियन ग्रीन माइल्स स्कीम, जो इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए वित्त प्रदान करती है, जिसके लिए वित्तीय वर्ष 2024 तक ₹ 462 करोड़ मंजूर किए गए हैं. यूनियन सोलर स्कीम छत और जमीन पर लगे सोलर यूनिट लगाने में एमएसएमई और कारोबारों का भी समर्थन करती है. हम पीएम कुसुम योजना में भी भाग लेते हैं, जो नवीकरणीय ऊर्जा उपकरणों के लिए वित्त प्रदान करती है, और यूनियन सीबीजी योजना, जो कंप्रेस्ड बायोगैस के लिए सुविधाओं हेतु वित्त प्रदान करती है

पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारा समर्पण वित्तीय वर्ष 2024 के लिए हमारे महत्वपूर्ण संवहनीयता लक्ष्यों में परिलक्षित होता है, जो ऊर्जा उपयोग और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने, पानी की खपत को कम करने, लैंडफिल में भेजे जाने वाले कचरे को कम करने और नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाने पर केंद्रित है. हमारी पहलों में छतों पर सौर पैनल लगाना, एलईडी लाइटिंग और उच्च दक्षता वाले एचवीएसी सिस्टम में अपग्रेड करना और वर्षा जल संचयन प्रणाली और जल-कुशल जुड़नार का प्रयोग करना शामिल है. हम एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक को खत्म करने और परिचालन दक्षता के लिए अपने डिजिटल नेटवर्क को बढ़ाने के लिए भी काम कर रहे हैं. हम अपनी शाखाओं में लैंडफिल और भस्मीकरण से सभी कचरे को हटा देंगे, और कचरे के पुनः उपयोग, पुनः प्रयोग या पुनर्चक्रण की 100% दर प्राप्त करना हमारा लक्ष्य है. अपने कर्मचारियों के बीच गैर-प्रदूषणकारी वाहनों को अपनाने को प्रोत्साहित करते हुए, हम अपने व्यापक पर्यावरणीय उद्देश्यों के साथ संरेखित करते हुए, लागतों की भरपाई के लिए मजबूत प्रतिपूर्ति प्रोग्राम प्रदान करते हैं. इन व्यापक प्रयासों के माध्यम से, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया दीर्घकालिक संवहनीयता और सभी हितधारकों के लिए संवहनीय मूल्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है.

अधिक जानकारी और विवरण के लिए, *पृष्ठ 135* पर प्राकृतिक पूंजी पर अध्याय पढ़ें.

जीआरआई

203-1

"

यूनियन ऑफ इंडिया के हरित वित्तपोषण प्रयास जिसमें वित्तीय वर्ष 2024 तक सौर एवं ईवी परियोजनाओं के लिए ₹ 462 करोड़ की मंजूरी और 100% अपशिष्ट विपथन का लक्ष्य शामिल है, संवहनीयता और धारक मूल्य के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को उजागर करता है.